प्रसव के ठीक बाद क्या करें

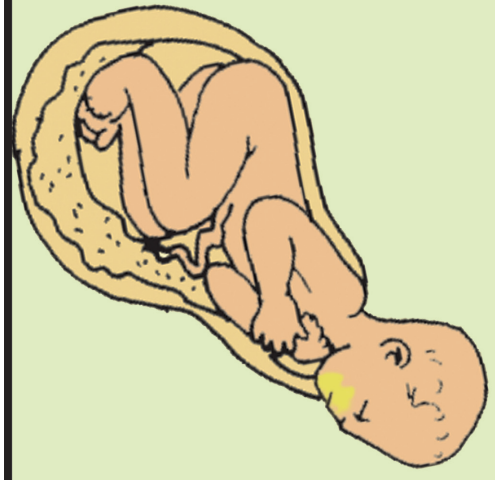

पानी की थैली फट जाने के बाद उसमें से बहने वाले तरल पदार्थ को देखें (या माँ को इसके बारे में पूछें)।

यदि यह पीला या हरा हो तो जैसे ही शिशु का सिर दिखाई पड़े (प्रसव होने से पहले) शिशु के मुंह को एक गॉज के टुकड़े से साफ करें।

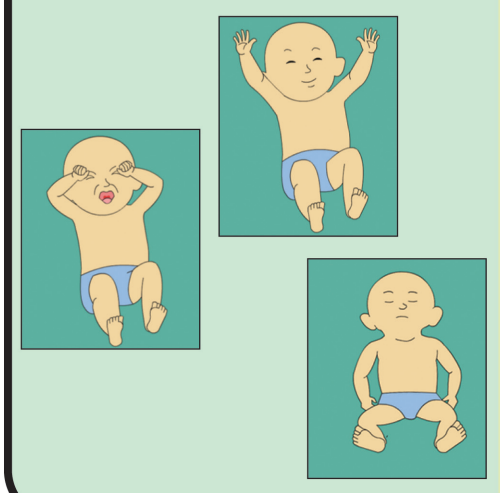

जैसे ही शिशु का जन्म हो जाए जन्म का समय दर्ज करें।

समय की गिनती चालू करें तथा शिशु का ३० सेकंड पर और ५ मिनट पर अवलोकन करें, ताकि आप जन्म के परिणाम को दर्ज कर पाएं।

शिशु यदि न रोए या बहुत मंद आवाज में रोए, अथवा सांस न ले या सांस धीमा हो या यह हांफ रहा हो तो इसका अर्थ है कि शिशु की सांस में रुकावट है। इसे घुटन भी कहा जाता है।

कोई नर्स या डॉक्टर उपलब्ध न हो तब उसकी मदद का प्रयास करें।

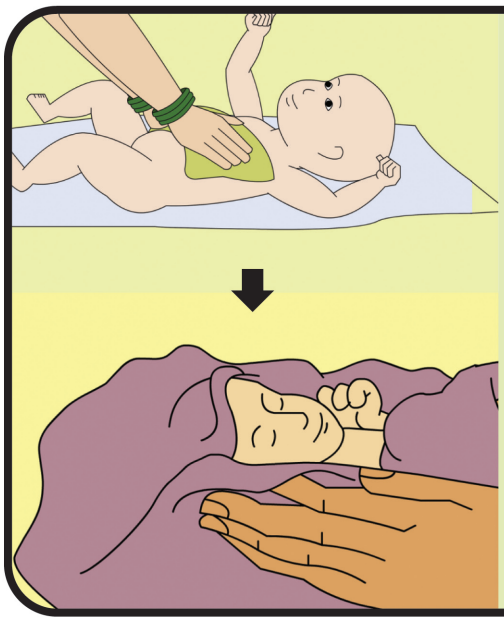

जन्म के तुरंत बाद शिशु को एक मुलायम, नम कपड़े से साफ करें; नाभि-नाल को काटें और बांध दें; शिशु के शरीर तथा सिर को एक मुलायम, सूखे कपड़े में लपेटें।

उसके शरीर पर स्थित सफेद पदार्थ को रगड़ कर न हटाएं।

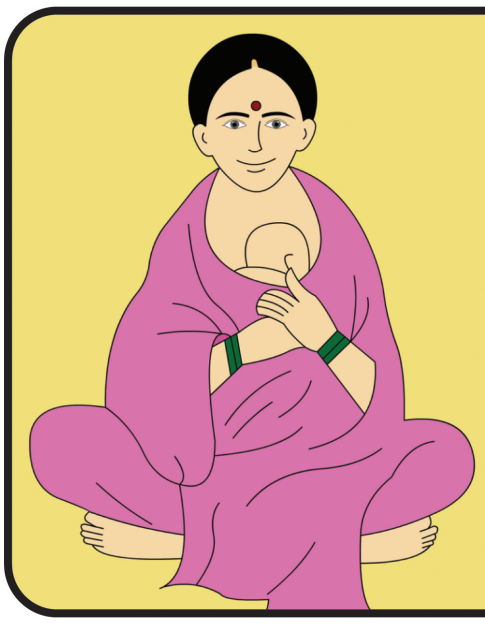

शिशु को माँ की छाती तथा पेट के पास रखें।

इसका ध्यान रखें कि कमरा इतना गरम हो कि सामान्य व्यक्ति को उसमें गर्मी महसूस हो। सर्दियों में शिशु को कपड़े की कई तहों में या ऊनी कपड़ों में लपेटें ।

नवजात शिशु का वजन करें ताकि आपको यह पता चल सके कि उसका वजन सामान्य है अथवा कम है; यह भी सुनिश्चित करें कि क्या जन्म समय से पहले तो नहीं हुआ; तापमान मापें और उसे दर्ज करें।

जितनी जल्द हो सके माँ को स्तनपान आरंभ कराने के लिए प्ररित करें।